□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□

नई दल्लिी□ गुजरात में वकिास को लेकर नरेंद्र मोदी के दावों को दूसरे राज्य चुनौती की तरह लेने लगे हैं□ मध्य प्रदेश के वकिास के बारे में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कुछ समय पहले शविराज सहि चौहान की □क रैली में गुजरात से जो तुलना की थी, वह इसी राजनीतकि मनोवज्ञिान से संबंधति है□ हरयिाणा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सहि हुड्डा ने तो वकायदा □क पुस्तकि छाप कर यह साबति करने की कोशशि की है कि मोदी के दावे भ्रामक हैं□ वकिास और लोककल्याण के मद में हरयिाणा की उपलब्धि गुजरात से कहीं अधकि है□ बीते रवविार को गोहाना में अपनी 'शक्तिप्रदर्शन रैली' में हुड्डा ने 'हरयिाणा और गुजरात का तुलनात्मक ववरिण' नाम की इस पुस्तकि का सार्वजनकि वतिरण भी कराया□

अगले साल हरयिाणा में आम चुनाव और वधिानसभा चुनाव दोनों होने हैं□ वधिानसभा चुनाव अक्तूबर में हैं□ जबकि आम चुनाव इसके पहले□ कहा जा रहा था कि हुड्डा वधिानसभा का चुनाव आम चुनाव के साथ करा सकते हैं□ लेकनि हुड्डा ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है□ इसकी वजह भी है□ साल 2009 में हुड्डा ने 6-7 महीने पहले चुनाव करा लि□ थे□ लेकनि सरकार बनाने के लि□ पर्याप्त संख्या नहीं आई□ जो□ तो□ कर किसी तरह हुड्डा ने सरकार बनाई□ इसके अलावा प्रदेश में पार्टी के भीतर भी हुड्डा को वरिोध का सामना करना प□ रहा है□ केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, सांसद वीरेंद्र सहि और गु□गांव के सांसद राव इंद्रजीत सहि हुड्डा के खलिाफ लगातार सार्वजनकि तौर पर बयान भी दे चुके हैं□ पांच महीने पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनयि गांधी ने हुड्डा और शैलजा के साथ □क बैठक में इस ववाद को सुलझाने की कोशशि की थी□

राव इंद्रजीत सहि का मामला अलग है□ वह तो केंद्रीय नेतृत्व को भी परोक्ष तौर चुनौती दे चुके हैं□ कल गोहना की रैली में भी ये तीनों नेता और उनके समर्थक नहीं शामलि हु□ थे□ इसके अलावा यह भी माना जा रहा है कि कांग्रेस अगर अगले चुनाव में प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब होती है तो हुड्डा की इस बार की दावेदारी में आम चुनाव के नतीजों का असर प□गा□ पछिले आम चुनाव में कांग्रेस को हरयिाणा में भारी सफलता मलि थी□ आम चुनाव को ही ध्यान में रखकर हुड्डा नरेंद्र मोदी के दावों को खारजि करने के लि□ गुजरात के साथ प्रतस्पिर्धा कर रहे हैं□

नरेंद्र मोदी जो लगातार दावे कर रहे हैं, उसे अगर हुड्डा सरकार की ओर से जारी कि□ ग□ आंकड़ों के चश्मे से देखें तो यही लगता है कि गुजरात के वकिास के दावे की कहानी में ब□ बोलापन अधकि और असलयित कम है□ हुड्डा सरकार की ओर से जारी पुस्तकि को दोनों प्रदेशों की आर्थकि स्थतिि से लेकर किसान, अनुसूचति जाति और पछिड़ों के कल्याण, शक्षिा, स्थानीय नकिाय के वकिास, खेलकूद, सैनकिों को दी जाने वाली सहायता जैसे कई क्षेत्रों का तुलनात्मक ववरिण दयिा गया है□ मसलन आर्थकि क्षेत्र में प्रतिव्यक्ति आय के लहिाज से 122660 रुप□ के साथ हरयिाणा का देश में तीसरा स्थान है□ वहीं इस मामले में गुजरात 89668 रुप□ के साथ पांचवे स्थान पर है□ वर्ष 2012-13 में हरयिाणा का वत्तिीय घाटा 76 सौ करो□ रुप□ था जबकि गुजरात का सा□ 58 हजार करो□□ शहरी क्षेत्र में उद्योगों में रोजगार की कर 319 प्रतिहजार है□ गुजरात में यह 306 प्रतिहजार है□

इसी तरह कृषि क्षेत्र में किसानों के हितों के लिए उठाए गए कदमों का भी तुलनात्मक विवरण दिया गया है। हुड्डा सरकार के मुताबिक गुजरात में मनरेगा के तहत मजदूरी जहां 147 रुपए प्रतिदिन दी जा रही है, वहीं हरियाणा में यह 214 रुपए प्रतिदिन है। गन्ने का भाव हरियाणा में 301 रुपए प्रति क्विंटल है तो गुजरात में केवल 210 रुपए प्रति क्विंटल है।

गुजरात का क्षेत्रफल और उसकी आबादी हरियाणा से लगभग तीन गुनी है। जनसंख्या घनत्व भी कम है। लेकिन खाद्यान्न उत्पादकता गुजरात की अपेक्षा हरियाणा का दोगुने के करीब है। गुजरात में यह 19.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जबकि हरियाणा में यह 36.99 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यहां तक कि महंगाई और पेट्रोलियम कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर बरसते मोदी के गुजरात में डीजल का भाव 58.33 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल का भाव 76.10 प्रति लीटर है। वहीं हरियाणा में डीजल का भाव 50.86 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल का भाव 72.62 रुपए प्रति लीटर है। जाहिर है यह अंतर राज्यों के पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले सेल्स टैक्स और दूसरे राज्य के करों की वजह से है।

अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के कल्याण क्षेत्र में हरियाणा लड़कियों के विवाह में 31 हजार और 11 हजार रुपए शगुन के रूप में देता है। मकान निर्माण के लिए 50 हजार, मकान की मरम्मत के लिए 10 हजार की अनुदान राशि दी जाती है। पंचायतों को इन दोनों वर्गों के परिवारों के कल्याण के लिए 50 हजार प्रोत्साहन राशि हरियाणा सरकार की तरफ से मिलती है। गुजरात में यह शगुन राशि 10 हजार, मकान निर्माण के लिए अनुदान राशि 45 हजार है। मकान की मरम्मत या पंचायत को प्रोत्साहन के लिए वहां कोई पैसा नहीं मिलता।

पुस्तिका में इसी तरह कई अन्य मदों में गुजरात से तुलना की गई है। सैनिकों को पुरस्कार राशि के रूप में सबसे नीचे के पुरस्कार सेना मेडल पर 7.5 लाख रुपए से लेकर शौर्य चक्र, वीर चक्र, कीर्ति चक्र, महावीर चक्र और परमवीर चक्र इन सब पर हरियाणा सरकार लाखों रुपए का पुरस्कार देती है। परमवीर चक्र पर 31 लाख रुपए सैनिक या अफसरों को मिलता है। जबकि गुजरात सरकार में यह पुरस्कार तीन हजार रुपए से शुरू होता है। परमवीर चक्र पाने वालों को गुजरात सरकार केवल साढ़े 22 हजार रुपए देती है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा के मुताबिक मोदी जोर-शोर से सैनिकों और देश पर कुर्बानी की बात करते हैं। लेकिन सैनिकों को सम्मान नहीं देते। वह यह भी पूछते हैं कि खेलकूद के क्षेत्र में हरियाणा के खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों से लेकर ओलंपिक तक में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। गुजरात इस क्षेत्र में कहां है?